# नैतिक प्रजातंत्र

https://n-prajatantra.blogspot.com/2023/06/100.html

# देश भर में ऐसे 100 उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

June 02, 2023

**राष्ट्रीय महिला आयोग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान का उधमिता जागरूकता कार्यक्रम का राज्यपाल ने किया शुभारंभ**

**उज्जैन**। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के सहयोग से राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय से संभावित महिला उद्यमियों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) शुरू करने की घोषणा की। देश भर में ऐसे 100 उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उज्जैन के पहले कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि  मंगूभाई पटेल, मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल और विशिष्ट अतिथि डॉ. मुंजपारा महेंद्रभाई, माननीय राज्य मंत्री, महिला मंत्रालय, बाल विकास, भारत सरकार ने श्रीमती रेखा शर्मा, अध्यक्ष, एनसीडब्ल्यू; डॉ. सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई; और श्रीमती मीनाक्षी नेगी, सदस्य सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में पी. नरहरि, आईएएस, सचिव, एमएसएमई और उद्योग आयुक्त, मध्यप्रदेश सरकार शामिल थे। एनसीडब्ल्यू सदस्यों में श्रीमती ममता कुमारी, श्रीमती डेलिना खोंगडुप, श्रीमती खुशबूसुंदर सहित राजभवन और सरकार के गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम के लॉन्च के मौके पर मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल ने कहा, सबका साथ सबका विकास के विजन के साथ देशआगे बढ़ रहा है। महिलाओं के नेतृत्व विकास बड़े पैमाने पर हो रहा है और इसे मान्यता भी मिल रही है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं काफी आगे बढ़ी हैं। महिलाएं अपनी सफलता की कहानियां लिख रही हैं। आत्मविश्वास के साथ अपने उद्यमों को चला रही है और अपनी भविष्य की योजनाओं को लेकर मुखर हैं। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश द्वारा लागू की गई पहलों की सहायता से महिलाओं ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उद्यम स्थापित करने के लिए महिलाओं को सब्सिडी मिल रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से प्रगति हुई है। मैं उद्यमशीलता के माध्यम से महिला सशक्तीकरण की दिशा में इस असाधारण पहल के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग और भारत के उद्यमिता विकास संस्थान को बधाई देता हूं।

**महिला उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण की आवश्यकता पर जोर देते हुए डॉ. मुंजपारा ने कहा, हम सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में महिला नेतृत्व और सशक्तीकरण में तेजी लाकर भारत के महिला-नेतृत्व वाले विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं।**

श्रीमती रेखा शर्मा ने कहा, हालांकि महिलाएं समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी जब आर्थिक सशक्तीकरण और स्वतंत्रता की बात आती है तो वे पीछे रह जाती हैं। आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। महिला उद्यमिता का समर्थन करने के लिए भारत के पास एक पूरा तंत्र है। इसे देखते हुए महिलाएं अपना एमएसएमई स्थापित करने के लिए प्रेरित हो रही हैं।